सभ्यता अध्ययन केन्द्र
Center for Civilisational Studies

काकोरी प्रतिरोध शताब्दी वर्ष समारोह

उद्घाटन कार्यक्रम

काकोरी विमर्श

मुख्य अतिथि

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत
माननीय संस्कृति मंत्री
भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि

श्री संजय सेठ
माननीय रक्षा राज्य मंत्री
भारत सरकार

अध्यक्ष

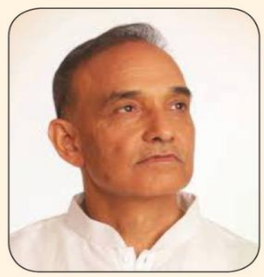

डॉ. सत्यपाल सिंह
माननीय पूर्व मंत्री, भारत सरकार
एवं से.नि. आई.पी.एस.

मुख्य वक्ता

डॉ. आनन्द वर्धन
उप-अधिष्ठाता (अकादमिक), डॉ. बी आर अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली एवं अध्यक्ष, म्यूज़ियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया

तिथि : 8 अगस्त 2024, अपराह्न 04 बजे
स्थान: डिप्टी स्पीकर हॉल एनेक्सी, कांस्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली

संपर्क

धीप्रज्ञ द्विवेदी (7011120200)
संजय गुप्ता (9412296850)
अवधेश मिश्र (7678666399)
प्रशांत त्रिवेदी (9643717351)

ईमेल : civilisationalstudies@gmail.com
फेसबुक : https://www.facebook.com/civilisationalstudies
यूट्यूब : https://www.youtube.com/@civilisationalstudies

नोट: कार्यक्रम से पूर्व 4 बजे सायं चाय पर तथा कार्यक्रम के पश्चात 6.45 बजे सायं अल्पाहार पर आपका स्वागत रहेगा।

परिणाम प्रतिवेदन

काकोरी प्रतिरोध शताब्दी वर्ष उद्‌घाटन कार्यक्रम

आयोजक

सभ्यता अध्ययन केंद्र

स्थान

डिप्टी स्पीकर हॉल एनेक्सी, कांस्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली

तिथि/समय

8 अगस्त, 2024/ अपराह्न 04 बजे

क्रम सूची

1. परिचय	04
2. पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य	05
3. रूपरेखा	06
4. आयोजक	07
5. परिणाम	08
6. कार्यक्रम संबंधित चित्र/फोटो	09
7. क्रांतिकारियों के परिवारजनों का सम्मान	10
8. CCS आयोजन समिति	11
9. मीडिया कवरेज	12-13
10. धन्यवाद	14

परिचय

सभ्यता अध्ययन केन्द्र द्वारा निश्चय किया गया कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सशस्त्र क्रांति की धारा में मील के पत्थर के रूप में स्थापित काकोरी में अंग्रेजों द्वारा लूटे गए धन को ले जा रही ट्रेन पर हमले की घटना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर काकोरी प्रतिरोध शताब्दी समारोह का आयोजन किया जाए। इस समारोह के माध्यम से आम जनमानस को काकोरी की घटना के पीछे के दर्शन और विचार के प्रति जागरूक करना तथा स्वतंत्रता की सशस्त्र क्रांति के मूल भाव को जन जन तक पहुंचाना है। शताब्दी समारोह के तहत आगामी पूरे वर्ष देश भर में इस विषय पर कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। सभ्यता अध्ययन केंद्र ने इसका शताब्दी वर्ष नौ अगस्त 2024 से नौ अगस्त 2025 तक मनाने का संकल्प लिया है।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 08 अगस्त 2024 को राजधानी दिल्ली से किया गया। 8 अगस्त 2024 के दिन सभ्यता अध्ययन केंद्र द्वारा कांस्टीट्यूशन क्लब दिल्ली में काकोरी प्रतिरोध शताब्दी वर्ष समारोह श्रृंखला का उद्घाटन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में देश के मंत्रीगण,राजधानी दिल्ली के बुद्धिजीवी तथा प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं आदि बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

पृष्ठभूमि

100 वर्ष पूर्व काकोरी में भारत के क्रांतिकारियों ने भारतीय शौर्य, संकल्प, साहस, स्वातंत्र्य प्रेम एवं त्याग का अद्‌भुत परिचय देते हुए 8 डाउन, सहारनपुर-लखनउ पेसेंजर में सशस्त्र हस्तक्षेप कर ब्रिटिश सरकार के खजाने को हस्तगत कर लिया। रामप्रसाद 'बिस्मिल' के नेतृत्व में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के दस क्रांतिकारियों ने इसमें भाग लिया और काकोरी के पास ट्रेन रोककर लगभग चार हजार रुपये लूट लिए गए। एक छोटी सी जगह पर इस छोटी सी रकम की लूट द्वारा अंग्रेजी शासन को चुनौती देने के अर्थ व आयाम बहुत व्यापक निकले। इस घटना के बाद एक ओर जहाँ क्रांतिकारी गतिविधियों को नयी उर्जा मिली और क्रांतिकारी गतिविधियों में तीव्रगति से बृद्धि हुयी वहीं दूसरी ओर इस घटना से पूरी तरह हिल गयी अंग्रेज सरकार ने इसे बहुत गंभीरता से लिया। मात्र 4000 रुपये की लूट के लिए सरकार ने 40 लोगों को बंदी बनाया एवम 29 पर अभियोग चलाया गया जिसमें दस लाख रुपये सरकार ने व्यय किए। चार क्रांतिकारियों को फांसी दी गयी व दो को कालापानी सहित 16 अन्य को 4 से 14 वर्ष तक की अलग-अलग सजा सुनायी गयी।

ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष के हेतु धन जुटाने के उद्देश्य से रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में बनी इस योजना में उस समय के प्रखर क्रांतिकारी अशफाक उल्लाह खान, राजेंद्र लाहिडी, चंद्रशेखर आजाद, सचींद्र बख्शी, केशव चक्रवर्ती, मनमथ नाथ गुप्त, मुरारीलाल गुप्ता, मुकुंदी लाल तथा वनवारी लाल शामिल थे। रोशंलाल ठाकुर यद्यपि सरकारी धन की इस लूट में शामिल नहीं थे तथापि घटना से भयभीत अंग्रेज सरकार ने एक बार इस प्रकरण में गिरफ्तार कर लेने के बाद उन्हें छोडा नहीं बल्कि पुराने बमरौली लूट के मामले में फंसाकर फांसी देना ठीक समझा।

देश व समाज के लिए निस्वार्थ भाव से कंटकाकीर्ण मार्ग चुनकर प्राणोत्सर्ग तक करने वाले इन वीरों की गौरव गाथा समुचित रुप से गयी जानी चाहिए जिससे देश-दुनिया प्रेरणा ले सके।

<u>उद्देश्यः-</u>

देश की स्वतंत्रता के लिए विभिन्न विचारधारा से प्रेरित हो भिन्न-भिन्न मार्गों से अनेक लोगों ने संघर्ष किया। वर्ष 1784 से ही तिलका माँझी ने सशस्त्र संघर्ष का जो मार्ग प्रशस्त किया था वह वर्ष 1947 में स्वाधीनता मिलने तक निरंतर जारी रहा। इस सशस्त्र संघर्ष का का एक बड़ा पड़ाव था काकोरी कांड। इसमें न केवल अंग्रेजों द्वारा लूटा गया धन वापस लेना था बल्कि उनके शस्त्रास्त्र भी लूटे गये थे। यह कांड भारत की उस सैन्य तैयारी का एक हिस्सा था, जो अंग्रेजों के विरूद्ध देश की जनता कर रही थी।

काकोरी प्रतिरोध की इसी प्रेरणादायी स्मृति के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर वर्ष भर उत्सव मनाने की योजना बनायी गयी है जिसमें निम्नलिखित कार्य किये जाएंगेः-

1. इन शौर्यवान बलिदानियों के व्यक्तित्व और कृतित्व को प्रकाशित व प्रचारित करना।
2. वर्तमान काल में देशवासियों में वही शौर्य व बलिदान की भावना को जागृत करना।

3. क्रांतिकारियों के समान ही धर्म व जाति से ऊपर उठकर समरस भाव से देश के प्रति समर्पण भावना का विकास।
4. क्षेत्रीय गौरव रखकर भी राष्ट्रीय गौरव को प्राथमिकता देने की भावना को बढाना।

.

<u>रूपरेखा :</u>

काकोरी सशस्त्र प्रतिरोध संबंधी कार्यक्रम पूरे वर्ष देश के अलग-अलग स्थानों पर करने की योजना है। काकोरी सशस्त्र प्रतिरोध संबंधी कार्यक्रम पूरे वर्ष देश के अलग-अलग स्थानों पर करने की योजना है। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य भारत के सशस्त्र स्वाधीनता संग्राम की पृष्ठभूमि मे काकोरी प्रतिरोध का महत्व और परवर्ती सशस्त्र क्रांतियों पर इस घटना के प्रभाव इत्यादि के संबंध मे अकादमिक विमर्श स्थापित करना और इन विषयों पर अब तक प्रचलित तथ्यहीन धारणाओ मे सुधार करना है। इनमे से कुछ कार्यक्रमों को इस क्रांति के नायकों से सम्बद्ध स्थानों और विशिष्ट तिथियों के आसपास भी किए जाने का प्रयास है। इस श्रृंखला मे प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

1. भारतीय स्वतंत्र संग्राम की सशस्त्र क्रांति की धारा में काकोरी की भूमिका पर केंद्रित विचार गोष्ठियाँ, कार्यशालाए इत्यादि।
2. क्रांतिकारियों पर केंद्रित विचार गोष्ठियाँ व जागृति कार्यक्रम
3. क्रांतिकारियों की धरोहरों को संरक्षित करने तथा उन्हे राष्ट्रीय स्मारक के रूप मे स्थापित करने के लिए आवश्यक प्रयास करना।
4. विभिन्न स्तरों पर विद्यार्थियों/आम जन के बीच काकोरी प्रतिरोध और सम्बद्ध क्रांतिकारियों पर केंद्रित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओ का आयोजन।
5. बलिदानी क्रांतिकारियों के वंशजों का सम्मान।
6. साल भर की गतिविधियों के आधार पर काकोरी केंद्रित लघु पुस्तिका तैयार करना।
7. स्वाधीनता की सशस्त्र क्रांति, क्रांतिकारियों और काकोरी प्रतिरोध के अंतरसंबंधों पर केंद्रित शोध आलेखों के संकलन की एक पुस्तक तैयार करना।
8. स्वाधीनता की सशस्त्र क्रांति, क्रांतिकारियों और काकोरी के अंतरसंबंधों पर केंद्रित एक कॉफी टेबल बुक तैयार करना।

घटना के नायक श्री रामप्रसाद बिस्मिल व उनके दो अन्य साथी के शहर शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश, में एक कार्यक्रम की योजना है। देश की राजधानी, दिल्ली, एवम अन्य सबंधित/उपयुक्त स्थानों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के स्वरूप में संगोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुस्तक प्रकाशन आदि का समावेश रहेगा।

आयोजक

सेंटर फॉर सिविलाइजेशनल स्टडीज यानी सभ्यता अध्ययन केंद्र एक दिल्ली स्थित शोध संस्थान है। यह एक पंजीकृत पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट है। केंद्र द्वारा दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में अध्ययन केंद्र चलाए जा रहे हैं। केंद्र ने गत छह वर्षों में पचास से अधिक व्याख्यानों, गोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया है। कोरोनाकाल के विकट अवसर पर केंद्र ने विभिन्न विषयों पर प्रथम लॉकडाउन से लेकर आज तक सौ से अधिक वेबिनारों का आयोजन किया है। केंद्र द्वारा सभ्यता संवाद नामक एक त्रैमासिक शोध पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। साथ ही केंद्र ने आठ पुस्तकें भी प्रकाशित की हैं तथा कई अन्य पुस्तकें प्रकाशनाधीन हैं।

परिणाम

उपस्थिति:-

1. इस कार्यक्रम में दो केन्द्रीय मंत्री तथा एक पूर्व केंद्रीय मंत्री अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।
2. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे श्री **गजेन्द्र सिंह शेखावत**, केंद्री. संस्कृति मंत्री, भारत सरकार। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि काकोरी प्रतिरोध की घटना युवाओं को सदैव प्रेरित करती रहेगी। शेखावत ने कहा कि भारत में जानबूझकर भारतीय इतिहास को छिपाने के प्रयास किए गए। काकोरी की घटना स्वाधीनता संग्राम का एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा है और सभ्यता अध्ययन केंद्र द्वारा इस एतिहासिक घटना का शताब्दी वर्ष आयोजित करना काफी प्रशंसनीय कार्य है। उन्होंने इस आयोजन में मंत्रालय द्वारा पूर्ण सहयोग देने का भी आश्वासन दिया।
3. कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे **केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री श्री संजय सेठ**। उन्होंने ने अपने संबोधन में कहा काकोरी कांड जिसे कहा गया वह कांड नहीं, एक प्रतिशोध था। नए भारत में शब्दों को सही भाव से कहने की आवश्यकता है। ये नया भारत है। यह न तो झुकता है न रुकता है।
4. कार्यक्रम की अध्यक्षता की **डॉ सत्यपाल सिंह** (सेवानिवृत IPS एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री) ने। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. सत्यपाल सिंह ने कहा कि उनकी दृष्टि में काकोरी घटना के प्रमुख रचनाकार पं. रामप्रसाद बिस्मिल देश के सबसे बड़े क्रांतिकारी थे। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद आदि सभी उनके शिष्य रहे हैं। काकोरी की घटना को इतिहास में अधिक प्रमुखता से दर्ज किया जाना चाहिए।
5. इस कार्यक्रम में देश की राजधानी दिल्ली के बुद्धिजीवी तथा प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं आदि बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

- कार्यक्रम में उपस्थित कुल संख्या 165
- महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओ की संख्या 30
- विश्वविद्यालयों के प्राध्यापकों की संख्या 10
- क्रांतिकारों के परिजन 03

constitution
club of india

constitution
club of india

सभ्यता अध्ययन केन्द्र
Center for Civilisational Studies
काकोरी प्रतिरोध शताब्दी वर्ष समारोह
उद्घाटन कार्यक्रम
काकोरी विमर्श
तिथि : 8 अगस्त 2024
constitution
club of india

सभ्यता अध्ययन केन्द्र
Center for Civilisational Studies
काकोरी प्रतिरोध शताब्दी वर्ष समारोह
उद्घाटन कार्यक्रम

अभिनंदन/सम्मान समारोह

श्री मदन लाल वर्मा क्रांत

श्रीमती नम्रता विद्रोही

<u>श्री अमरेश शुक्ल</u>

आयोजन समिति :-

डॉ. सत्यपाल सिंह :- सभ्यता

श्री धर्मवीर शर्मा:- सभ्यता अध्ययन केंद्र के अध्यक्षव डॉ. धर्मवीर शर्मा एक प्रसिद्ध पुरातत्त्वविद् तथा इतिहासज्ञ हैं। भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण, भारत सरकार में निदेशक रहे हैं। भारतीय स्मारक प्राधिकरण, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार में सलाहकार रहे हैं। इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कलाकेंद्र, नई दिल्ली में सलाहकार रहे हैं। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में सलाहकार रहे हैं।

श्री प्रकाश चंद्र शर्मा:- सभ्यता अध्ययन केंद्र के उपाध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र शर्मा एक नीतिगत सुधार विशेषज्ञ तथा व्यवसाय रणनीतिकार, फिनटेक, आईटी तथा ईआरपी सलाहकार, ब्लॉकचेन तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विशेषज्ञ हैं। मूलतः बिहार प्रदेश के रहने वाले श्री शर्मा ने एमबीए की पढ़ाई की है और वे ब्लॉकचेन तथा ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विशेषज्ञ हैं। भारत सरकार के उड्डयन मंत्रालय के एक पीएसयू पवन हंस में विभिन्न दायित्वों को निभाने के बाद वे पर्यटन, संस्कृति तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय में जनसंपर्क पदाधिकारी रहे।

श्री रवि शंकर: सभ्यता अध्ययन केंद्र के निदेशक श्री रवि शंकर एक वरिष्ठ पत्रकार, लेखक तथा शोधार्थी हैं। संप्रति भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की पत्रिका गगनांचल के संपादक हैं। साथ ही इंटरनैशनल सेंटर फॉर कल्चरल स्टडीज, भारत में अनुसंधान अधिकारी हैं। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में सलाहकार रहे हैं। इंदिरा गाँधी मुक्त विश्वविद्यालय में भारतीय कालगणना विषय के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के कोर्स कॉउन्सलर हैं।

श्री ऋतेश पाठक:-

श्री धीप्रज्ञ जी:- सभ्यता अध्ययन केंद्र के सह निदेशक श्री धीप्रज्ञ द्विवेदी एक पर्यावरणविद्, लेखक तथा शिक्षक हैं। केंद्र की त्रैमासिक शोध पत्रिका सभ्यता संवाद के कार्यकारी संपादक हैं। अनेक सामाजिक संस्थाओं में सक्रिय हैं।

मीडिया कवरेज:-

क्रांतिकारियों का बलिदान युवाओं को हमेशा प्रेरणा देगा... काकोरी प्रतिरोध शताब्दी समारोह में बोले गजेंद्र सिंह

Curated By अनुज श्रीवास्तव | नवभारतटाइम्स.कॉम • 9 Aug 2024, 8:49 am

Subscribe YouTube 10M

केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने काकोरी प्रतिरोध शताब्दी वर्ष समारोह में कहा कि काकोरी की घटना युवाओं को प्रेरणा देती रहेगी। कार्यक्रम में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान और अन्य...

युवाओं को प्रेरित करता रहेगा काकोरी प्रतिशोध, शताब्दी समारोह में बोले केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

काकोरी कांड के शताब्दी वर्ष पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि क्रांतिकारियों के प्रतिरोध की यह घटना युवाओं को सदैव प्रेरणा देती रहेगी।

Gaurav Kala • लाइव हिन्दुस्तान, नई दिल्ली
Thu, 8 Aug 2024 08:22 PM

हमें फॉलो करें

काकोरी कांड के 100 वर्ष पूरे होने पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि क्रांतिकारियों के प्रतिरोध की यह घटना युवाओं को सदैव प्रेरणा देती रहेगी। शेखावत कांस्टीट्यूशन क्लब

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 2024 दैनिक जागरण

विविध गतिविधियां

'काकोरी की घटना युवाओं को देती रहेगी प्रेरणा'

गजेंद्र सिंह

जासं., नई दिल्ली : केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि काकोरी में क्रांतिकारियों के प्रतिरोध की घटना युवाओं को सदैव प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने यह बात सभ्यता अध्ययन केंद्र द्वारा काकोरी प्रतिरोध शताब्दी वर्ष समारोह शृंखला के तहत कांस्टीट्यूशन क्लब में उद्घाटन कार्यक्रम में कही। म्यूजियम एसोसिएशन आफ इंडिया के अध्यक्ष डा. आनंदवर्धन ने इस मौके पर देश के इतिहास के विद्रोही आंदोलन की कई घटनाओं का जिक्र किया। सभ्यता अध्ययन केंद्र के निदेशक रविशंकर, रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ व पूर्व केंद्रीय मंत्री डा. सतपाल सिंह मौजूद रहे।

छात्रों ने अंतरिक्ष बस्ती का डिजाइन तैयार किया

अमेरिका में आयोजित अंतरिक्ष बस्ती तैयार करने की प्रतियोगिता जीतने वाले एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राएं • जागरण

4 हजार की लूट पर 8 लाख रुपये खर्च, काकोरी कांड ने यूं नहीं दहल गई थी ब्रिटिश हुकूमत, 100 वर्ष पूरे होने पर बड़ा कार्यक्रम

Edited By अनुभव शाक्य | नवभारतटाइम्स.कॉम • 7 Aug 2024, 1:53 pm

Subscribe YouTube 10M

काकोरी प्रतिरोध की 100वीं वर्षगांठ पर, नई दिल्ली के सेंटर फॉर सिविलाइजेशनल स्टडीज एक साल के समारोह का आयोजन करेगा। यह आयोजन 08 अगस्त 2024 से 09 अगस्त 2025 तक चलेगा और...

काकोरी ऐक्शन के 100 साल पूरे, सभ्यता अध्ययन केंद्र मनाएगा शताब्दी वर्ष; 8 अगस्त को उद्घाटन

सेंटर फॉर सिविलाइजेशनल स्टडीज यानी सभ्यता अध्ययन केन्द्र एक दिल्ली स्थित शोध संस्थान है। यह एक पंजीकृत पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट है। केंद्र द्वारा दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में अध्ययन केंद्र चलाए जा रहे हैं।

Himanshu Jha • लाइव हिन्दुस्तान
Wed, 7 Aug 2024 12:07 PM

हमें फॉलो करें

4 हजार की लूट पर 8 लाख रुपये खर्च, काकोरी कांड ने यूं नहीं दहल गई थी ब्रिटिश हुकूमत, 100 वर्ष पूरे होने पर बड़ा कार्यक्रम

क्रांतिकारियों का बलिदान युवाओं को हमेशा प्रेरणा देगा... काकोरी प्रतिरोध शताब्दी समारोह में बोले गजेंद्र सिंह

"काकोरी प्रतिरोध की घटना युवाओं को सदैव प्रेरित करती रहेगी"- केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत

Published August 8, 2024By Ranjana Kumari

Kakori conspiracy

काकोरी कांड को पूरे हुए 100 वर्ष

युवाओं को प्रेरित करता रहेगा काकोरी प्रतिरोध, शताब्दी समारोह में बोले केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

'काकोरी कांड' के शताब्दी वर्ष पर सहेजी जा रही शहीदों की यादें

सहारा www.rashtriyasahara.com

काकोरी प्रतिरोध की घटना युवाओं को सदैव प्रेरित करती रहेगी : शेखावत

काकोरी प्रतिरोध की घटना युवाओं को सदैव प्रेरित करती रहेगीः गजेन्द्र सिंह शेखावत

काकोरी प्रतिरोध की घटना युवाओं को सदैव प्रेरित करती रहेगीः गजेन्द्र सिंह शेखावत

विविध गतिविधियां

'काकोरी की घटना युवाओं को देती रहेगी प्रेरणा'

दुस्तान 08अगस्त 2024

सभ्यता अध्ययन केंद्र से जुड़े अमित त्यागी

शाहजहांपुर। नई दिल्ली स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर सिविलाइजेशनल स्टडीज (सभ्यता अध्ययन केंद्र) द्वारा स्वातंत्र्य वीरों की स्मृति को सजीव बनाए रखने के प्रयासों की शृंखला में और काकोरी प्रतिरोध के 100 वर्ष होने के अवसर को शताब्दी वर्ष समारोह के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। शाहजहांपुर निवासी वरिष्ठ स्तंभकार अमित त्यागी को संस्थान ने अपने वार्षिक कार्यक्रमों के लिए जोड़ा है। 08 अगस्त 2024 से 09 अगस्त 2025 तक यह कार्यक्रम चलेंगे। उद्घाटन 08 अगस्त को दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में होगा।

धन्यवाद